कठिन है जीवन?

मुश्किलों ने थाम रखा है? तो क्या हुआ?
उठ खड़े हो, आगे बढ़ो,
कुछ उम्मीद – होंसला साथ रखो,
मन में तुम विश्वास रखो,
खुली आँखों से देखो सपने,
उन सपनो के लिए प्रयास करो,
क्यूँकि, कड़ी मेहनत और लगन का
दूजा कोई हल नहीं।

जो करे निरंतर प्रयास
जीवन में वो कभी विफल नहीं,
आज करो–अभी करो,
मंजिल में मेहनत का कल नहीं,
विफलताओ से डर कर
बैठ जाना–थम जाना,
ऐसा ना हो पल कभी!
कड़ी मेहनत और लगन का
दूजा कोई हल नहीं।

सपनो पर विश्वास रखो,
उम्मीदों की चंद श्वांस रखो,
अंधकार से लड़ जाओ तुम,
दुनिया में कुछ यूँ साख रखो,
अपने पथ पर चलते रहना,
खुद से ना करना छल कभी,
कड़ी मेहनत और लगन का
दूजा कोई हल नहीं।

गुरु के चरणों में हो अर्पण,
विश्वास हो, और हो समर्पण,
मान ले तू कहना मेरा,

विद्यार्थी का जीवन सफल वही!
कड़ी मेहनत और लगन का
दूजा कोई हल नहीं।

प्रेरणा जैन
लेखपाल